इतना सन्नाटा क्यों है भाई

उस ग़रीब को तो

हर सभा में

हर योजना में

हर रैली में

सबसे आगे बैठाया जाता था

फिर ऐसा क्या हुआ

कि नेताओं का भाग्य विधाता

एक गरीब बाप

आज

इतना डरा हुआ,सहमा हुआ, दुबका हुआ

अपने आप से

नजरें नहीं मिला पा रहा है

देखना कहीं उसके घर

बेटी तो नहीं पैदा हो गई

कविता संग्रह 'कुछ इधर की कुछ उधर की' से

अमिताभ श्रीवास्तव

45 वर्षों से पत्रकारिता कर रहे अमिताभ श्रीवास्तव जिन्हें 2021 में लाइफ़टाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्राप्त हुआ